हल्दी घटी में समर लड़ियो
वो चेतक वो आसमान कठे मायड थारो वो पूट कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे
ओम नमः शिवाय ओम नमः शिवाय
ओम नमः शिवाय ओम नमः शिवाय
जय एक लिंग जय एक लिंग, जय एक लिंग जय एक लिंग
जय एक लिंग जय एक लिंग, जय एक लिंग जय एक लिंग
मायड थारो वो पूट कठे वो एक लिंग दीवान कठे
वो मेवाड़ी सीर मोर कठे वो महाराणा परताप कठे
हल्दी घटी में समर लड़ियो
वो चेतक वो आसमान कठे मायड थारो वो पूट कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे

मै बाचु है इतिहासा में मायड हेडा पूत जन्या
धन पान लजायो थारो रणवीरा में सरदार बनो
वेरियारा मन सूबा सारो ढीला पड़ गया मेरे आगे
वो झुक्यों नहीं नर ना हरियों अकबर री सेना ले आगे
मै हूँ सूरज मेवाड़ रतन वो महाराणा परताप कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे

या हल्दी घाटी री लागे केसर और चन्दन है
माथे पर तिलक कड़ाविन री इन माटी ने नित बंधन है
या रणभूमि तिरथ्भूमि दर्शन करवाना लाल्चावो
हू वीर सुरमा मारियाना हिवडा में जोश जागा जावे
हूँ स्वामी भक्त चेतक री दाता परी टप टप आवाज़ कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे
मानव थारो हर धरम निभायो भेद भाव ना जान्यो
यहाँ जात पात और ऊँच नीच री वक्त की आंधी भाई है
सम्प्रदाय सद्भाव प्रेम री मिले मिसाल आज कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे
वो महाराणा परताप कठे वो महाराणा परताप कठे